03

किसानों ने किया बिजली निगम कार्यालय का घेराव

आज समाज

www.aajsamaaj.com

04

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे गाजियाबाद

नई दिल्ली, पृष्ठ-04, बुधवार, 22 सितंबर 2021 | राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र | शक संवत 1942, आश्विन कृष्ण पक्ष द्वितीय, मूल्य, 2.00 रुपए

आवासीय स्थिति और कर भार शीर्षक पर वेबिनार

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। आईसीएआई फरीदाबाद शाखा के सहयोग से अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़, फरीदाबाद में वाणिज्य विभाग द्वारा आवासीय स्थिति और कर भार शीर्षक से एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था। प्राचार्य डॉ कृष्ण कांत गुप्ता वेबिनार के मुख्य अतिथि थे। सीए जितेंद्र चावला (आईसीएआई फरीदाबाद अध्यक्ष) और सीए नितेश पाराशर (आईसीएआई फरीदाबाद सचिव) प्रमुख वक्ता थे। इस वेबिनार का आयोजन प्राचार्य महोदय डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए किया गया। उन्होंने कराधान कानून के महत्व और ईमानदारी से कर का भुगतान करने की आवश्यकता के बारे में बताया। पहले सत्र में मुख्य वक्ता सीए जितेंद्र चावला (आईसीएआई फरीदाबाद अध्यक्ष) ने आवासीय स्थिति और कर भार विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने अपने सत्र की शुरूआत बहुत ही रोचक तरीके से की और प्रतिभागियों से कर के कुछ बुनियादी सवाल पूछकर सभी प्रतिभागियों के साथ एक दोस्ताना माहौल बनाया। वेबिनार में इस बात पर प्रकाश डाला कि किसी व्यक्ति पर कर लगाने से पहले उसकी आवासीय स्थिति देखी जाती है और कहा कि इसे देखे बिना उसका कर नहीं निर्धारित किया जा सकता है। जहां यह भी बताया गया कि आयकर अधिनियम में आवासीय स्थिति को 3 भागों में बांटा गया है निवासी और साधारण निवासी, निवासी और साधारण निवासी नहीं, और अनिवासी। दूसरे सत्र के मुख्य वक्ता सीए नितेश पाराशर (आईसीएआई फरीदाबाद सचिव) थे। उन्होंने 120 दिनों की आवासीय स्थिति में नए संशोधनों पर कराधान प्रभाव विषय पर बात की।

अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ वेबिनार के आयोजन में भाग लेते हुए।

बुधवार, 22 सितंबर 2021

हिन्दुस्तान 02

कर भार पर राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

बल्लभगढ़। अग्रवाल कॉलेज में मंगलवार को आईसीएआई फरीदाबाद शाखा के सहयोग से वाणिज्य विभाग द्वारा आवासीय स्थिति और कर भार शीर्षक पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इसके मुख्य अतिथि कॉलेज के प्राचार्य डॉ कृष्ण कांत गुप्ता थे।

Wednesday September 22 2021
3:57:07 AM
GOVT OF INDIA RNI NO. 6859/61

भारत दर्शन
www.bharatdarshannews.com

FARIDABAD

राष्ट्रीय वेबिनार शीर्षक "आवासीय स्थिति और कर भार"

(Kiran Kathuria) www.bharatdarshannews.com Tuesday,21 September , 2021)

Ballabgarh News, 21 September 2021 (bharatdarshannews.com) : 21 सितंबर 2021 को आईसीएआई फरीदाबाद शाखा के सहयोग से अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़, फरीदाबाद में वाणिज्य विभाग द्वारा "आवासीय स्थिति और कर भार" शीर्षक से एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था। प्राचार्य डॉ कृष्ण कांत गुप्ता वेबिनार के मुख्य अतिथि थे). सीए जितेंद्र चावला (आईसीएआई फरीदाबाद अध्यक्ष) और सीए नितेश पाराशर (आईसीएआई फरीदाबाद सचिव) प्रमुख वक्ता थे। आज के वेबिनार का आयोजन हमारे आदरणीय प्राचार्य महोदय डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए किया गया। उन्होंने कराधान कानून के महत्व और ईमानदारी से कर का भुगतान करने की आवश्यकता के बारे में बताया। पहले सत्र में मुख्य वक्ता सीए जितेंद्र चावला (आईसीएआई फरीदाबाद अध्यक्ष) ने 'आवासीय स्थिति और कर भार' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने अपने सत्र की शुरुआत बहुत ही रोचक तरीके से की और प्रतिभागियों से कर के कुछ बुनियादी सवाल पूछकर सभी प्रतिभागियों के साथ एक दोस्ताना माहौल बनाया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि किसी व्यक्ति पर कर लगाने से पहले उसकी आवासीय स्थिति देखी जाती है और कहा कि इसे देखे बिना उसका कर नहीं निर्धारित किया जा सकता है। उन्होंने इस बारे में भी कहा कि यह पूरी तरह से व्यक्ति की देश में उपस्थिति और उसके निवास पर निर्भर करता है। यह भी बताया गया कि आयकर अधिनियम में आवासीय स्थिति को 3 भागों में बांटा गया है -निवासी और साधारण निवासी, निवासी और साधारण निवासी नहीं, और अनिवासी। दूसरे सत्र के मुख्य वक्ता सीए नितेश पाराशर (आईसीएआई फरीदाबाद सचिव) थे। उन्होंने 120 दिनों की आवासीय स्थिति में नए संशोधनों पर कराधान प्रभाव' विषय पर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि टैक्स लगाने का मकसद सिर्फ पैसा इकट्ठा करना ही नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक न्याय हासिल करना भी है। उत्पादन और रोजगार बढ़ाने और देश के आर्थिक विकास को प्राप्त करने के लिए समाज में धन का समान वितरण। इसके साथ ही मुख्य वक्त ने छात्रों को सीए के महत्व से भी परिचित कराया। उन्होंने सीए की भूमिका पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए। किसी भी संस्थान में सीए का काम बहुत ही सम्मानजनक और चुनौतीपूर्ण होता है। वे उस संस्था या कंपनी

LATEST VIDEO

राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

बल्लभगढ़, 21 सितंबर, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। मंगलवार को आईसीएआई फरीदाबाद शाखा के सहयोग से अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ फरीदाबाद में वाणिज्य विभाग द्वारा आवासीय स्थिति और कर भार शीर्षक से एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया था। प्राचार्य डॉ कृष्ण कांत गुप्ता वेबिनार के मुख्य अतिथि थे। सीए जितेंद्र चावला ;आईसीएआई फरीदाबाद अध्यक्षद्ध और सीए नितेश पाराशर आईसीएआई फरीदाबाद सचिवद्ध प्रमुख वक्ता थे। आज के वेबिनार का आयोजन हमारे आदरणीय प्राचार्य महोदय डॉण कृष्णकांत गुप्ता जी के कुशल मार्गदर्शन में छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए किया गया। उन्होंने कराधान कानून के महत्व और ईमानदारी से कर का भुगतान करने की आवश्यकता के बारे में बताया। पहले सत्र में मुख्य वक्ता सीए जितेंद्र चावला आईसीएआई फरीदाबाद अध्यक्षद्ध ने आवासीय स्थिति और कर भारश विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने अपने सत्र की शुरूआत बहुत ही रोचक तरीके से की और प्रतिभागियों से कर के कुछ बुनियादी सवाल पूछकर सभी प्रतिभागियों के साथ एक दोस्ताना माहौल बनाया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला

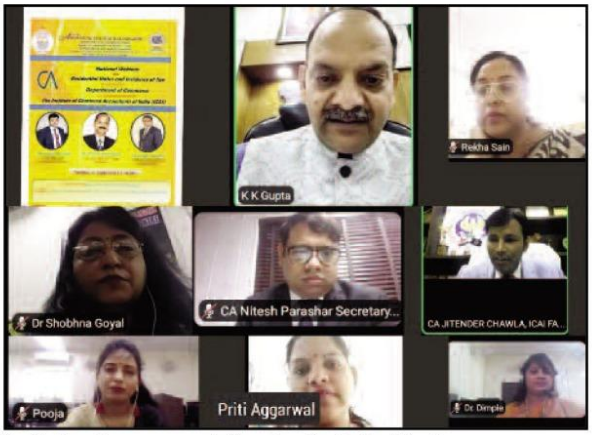

कि किसी व्यक्ति पर कर लगाने से पहले उसकी आवासीय स्थिति देखी जाती है और कहा कि इसे देखे बिना उसका कर नहीं निर्धारित किया जा सकता है। उन्होंने इस बारे में भी कहा कि यह पूरी तरह से व्यक्ति की देश में उपस्थिति और उसके निवास पर निर्भर करता है। यह भी बताया गया कि आयकर अधिनियम में आवासीय स्थिति को 3 भागों में बांटा गया है। निवासी और साधारण निवासीए निवासी और साधारण निवासी नहींए और अनिवासी। दूसरे सत्र के मुख्य वक्ता सीए नितेश पाराशर आईसीएआई फरीदाबाद सचिवद्ध थे। उन्होंने 120 दिनों की आवासीय स्थिति में संशोधनों पर कराधान प्रभाव विषय पर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि टैक्स लगाने का मकसद सिर्फ पैसा इकट्ठा करना ही नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक न्याय हासिल करना भी हैण उत्पादन और रोजगार बढ़ाने और देश के आर्थिक विकास को प्राप्त करने के लिए समाज में धन का समान वितरण। इसके साथ ही मुख्य वक्ता ने छात्रों को सीए के महत्व से भी परिचित कराया।

उन्होंने सीए की भूमिका पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए। किसी भी संस्थान में सीए का काम बहुत ही सम्मानजनक और चुनौतीपूर्ण होता है। वे उस संस्था या कंपनी से संबंधित सभी खाते और वित्त संबंधी कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके अलावा इनका काम मनी मैनेजमेंटए ऑडिट अकाउंट्स का एनालिसिसए टैक्सेशन और फाइनेंस मुहैया कराने से भी जुड़ा है। मुख्य वक्ता ने कई सवालों के जवाब दिए जो छात्रों और शिक्षकों द्वारा दिलचस्प तरीके से पूछे गए थे। प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में वेबिनार एक बड़ी सफलता थी क्योंकि इसमें देश भर से 327 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया ए और 242 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस वेबीनार मे विभिन्न विश्वीद्यालयों ए महाविद्यालयों के अनेकों प्रोफेसरए सहायक प्रोफेसरए एवेम विध्यार्थियो ने प्रतिभागी के रूप मे भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. डिंपल संयोजकद्ध ने किया। पूजा ;सह.संयोजकद्ध ने कार्यक्रम का सार प्रस्तुत किया और डॉण रेखा सेन ;समन्वयकद्ध द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। डॉ. शोभना गोयल और प्रीति अग्रवाल ने भी इस वेबिनार के लिए छात्रों को प्रेरित किया। इसके साथ ही तकनीकी सहायता के लिए सुश्री दीप्ति गोयल को भी धन्यवाद किया गया। इससे सभी शिक्षक व विद्यार्थी लाभान्वित हुए।